देवसहायम पिल्लई

18वीं शताब्दी में ईसाई धर्म अपनाने वाले हिंदू देवसहायम पिल्लई (Devasahayam Pillai) संत की उपाधि प्राप्त करने वाले **पहले भारतीय** होंगे।

- पॉप फ्राँसिस 15 मई, 2022 को वेटिकन में सेंट पीटर्स बेसिलिका में एक विहित धर्मसभा के दौरान छह अन्य संतो के साथ देवसहायम पिल्लई को संत घोषित करेंगे।
- वेटिकन सिटी रोमन **कैथोलिक चर्च की सीट** है।

//

प्रमुख बिंदु:

- देवसहायम पिल्लई का **जन्म 23 अप्रैल 1712** को **तमिलनाडु के कन्याकुमारी** ज़िले के नट्टलम गाँव में हुआ था।
- ईसाई धर्म अपनाने से पहले यह **नीलकंद पिल्लई** के नाम से जाने जाते थे तथा यह मंदिर के पुजारियों के परिवार में पले-बढ़े थे।
- इन्होंने **त्रावणकोर के महाराजा मार्तंड वर्मा** के दरबार में सेवा दी और यहीं पर उनकी मुलाकात एक डच नौसैनिक कमांडर से हुई, जिन्होंने उन्हें कैथोलिक धर्म के बारे में सिखाया।
- वह वर्ष 1745 में कैथोलिक बन गए तथा इन्होंनेईसाई धर्म अपनाने के बाद **'लेज़ारूस' (Lazarus)** नाम रख लिया था लेकिन बाद में **देवसहायम (भगवान की मदद)** के नाम से जाने गए।
- उसके बाद उन्हें धर्मांतरण के खिलाफ **त्रावणकोर राज्य के प्रकोप** का सामना करना पड़ा।
- 14 जनवरी, 1752 को कैथोलिक बनने के ठीक सात वर्ष बाद देवसहायम की अरलवाइमोझी जंगल में गोली मारकर हत्या कर दी गई।
  - तब से इन्हें दक्षिण भारत में व्यापक कैथोलिक समुदाय द्वारा शहीद माना जाता है।
  - इनकी कब्र **तमिलनाडु के कन्याकुमारी ज़िले के कोट्टार** सूबा के **सेंट फ्रांसिस जेवियर कैथेड्रल** में है।
- चर्च का विचार है कि **जातिगत मतभेदों के बावजूद सभी लोगों की समानता** का उनका उपदेश अंततः उनकी शहादत का कारण बना।
- ईसाई धर्म अपनाने का फैसला करने के बाद "**बढ़ती कठिनाइयों को सहन करने**" के लिये उन्हें पहली बार फरवरी 2020 में संत की उपाधि प्रदान करने के लिये मंज़ूरी दी गई थी।

धर्म का वर्गीकरण

- **परिचय:**
  - दुनिया के प्राथमिक धर्म दो श्रेणियों में आते हैं:
    - **अब्राहमिक धर्म:** ईसाई धर्म, यहूदी धर्म और इस्लाम
    - **भारतीय धर्म:** हिंदू धर्म, बौद्ध धर्म, सिख धर्म और अन्य।
- **ईसाई धर्म:**
  - दो अरब से भी अधिक अनुयायियों के साथ **ईसाई धर्म** सबसे बड़ा धर्म है।
  - ईसाई धर्म **यीशु मसीह** के जीवन और शिक्षाओं पर आधारित है और लगभग **2,000 वर्ष** पुराना है।
  - ईसाई धर्म का सबसे बड़े समूह में रोमन कैथोलिक चर्च, ईस्टर्न ऑर्थोडॉक्स चर्च और प्रोटेस्टेंट चर्च हैं, और इसका पवित्र ग्रंथ बाइबिल है।

- सदियों से ईसाई धर्म के अनुयायियों की संख्या में वृद्धि हुई हैं क्योंकि यह अक्सर मशिनरियों और उपनिवेशवादियों के माध्यम से दुनिया भर में फैल गया।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/devasahayam-pillai